(c) and (d). There is no proposal for taking over the Mills. However, action under Section 408(1) of the Companies Act, 1956 for the appointment of Government Directors on the Board of the Company is presently under consideration of the Company Law Board

Managerial Remunerations in Corporate Sector

1796 SHRI C. K CHANDRAPPAN
SHRI MANORANJAN BHAKTA
DR BAPU KALDATY
SHRI M. N. GOVINDAN NAIR
SHRIMATI PARVATHI KRISHNAN

Will the Minister of LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state

(a) whether Government has a proposal under consideration to fix up a maximum limit to the managerial remuneration and perks in the corporate sector including the multinational corporations in the country, and

(b) if so, what are the details thereof and what measures have been taken in this direction?

THE MINISTER OF LAW JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI SHANTI BHUSHAN) (a) and (b) A proposal to revise the existing guidelines in respect of ceilings on remuneration admissible to Managing/Whole-time Directors/Managers of Public Limited Companies and Private Companies which are subsidiaries of Public Limited Companies is under the consideration of the Government A decision in this regard will be taken as early as possible

नागपुर से इटारसी के बीच पैसेंजर रेलगाड़ी का फिर से चलाया जाना

1797. श्री सुभाष आहूजा : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का विचार मध्य रेलवे में इटारसी से नागपुर तक पैसेंजर रेलगाडी को फिर से चलाने का है, जिसे आपात स्थिति के दौरान रद्द कर दिया गया था ;

(ख) इस रेलगाडी को किन कारणो की वजह से रद्द किया गया था ; और

(ग) सरकार इसे कब तक दुबारा चालू करेगी ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण) : (क) से (ग). आमला-झामी खंड पर 393/394 नागपुर-झांसी सवारी गाडी का चालन क्षेत्र कम कर दिया गया था ताकि बिलासपुर-भोपाल-निजामुद्दीन छत्तीसगढ एक्सप्रेस गाडी चलाई जा सके । लेकिन इटारसी-आमला खण्ड के यात्रियो की सुविधा के लिए छत्तीसगढ एक्सप्रेस गाडी को सभी स्टेशनो पर ठहराने की व्यवस्था है सिवाय तीन स्टेशनो के । 15-8-1976 से बेतूल और आमला के बीच एक जोडी शटल सेवा भी चालू कर दी गई है । इस खंड पर अतिरिक्त लाइन क्षमता की कमी के कारण 393/394 को आमला-इटारसी खण्ड पर पुन चलाना सभव नही है ।

एक्सप्रेस रेल गाड़ियो का स्टाप बनाने का मापदण्ड

1798. श्री आर० एल० कुरील : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) किसी विशेष स्टेशन पर एक्सप्रेस रेलगाडी को रोकने का निर्णय करने मे किन मापदण्डो को ध्यान मे रखा जाता है ;

(ख) क्या त्रिवेणी एक्सप्रेस तथा अन्य एक्सप्रेस रेलगाडियो को मोहन लाल गंज तहसील जो कि एक बडी तहसील और एक औद्योगिक केन्द्र है, में रोकने का प्रस्ताव है; और

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं तथा क्या तीन एक्सप्रेस रेलगाडियां राय बरेली जिले में बछरावां स्टेशन पर रुकती है और यदि हां, तो मोहन लाल गंज, जो प्रत्येक दृष्टि से बछरावा से बडा है, पर कोई एक्सप्रेस रेलगाडी के न रुकने के क्या कारण हैं ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण) (क) मध्यवर्ती स्टेशनों पर एक्सप्रेस गाडियों के ठहराव की व्यवस्था स्टेशन पर आने वाले लम्बी दूरी के यातायात की मात्रा और उसकी प्रकृति एक्सप्रेस गाडी विशेष का समय और महत्व तथा उसके तेज प्रकृति को ध्यान में रखते हुए की जाती है।

(ख) जी नहीं।

(ग) बछरावां पर आने वाला यातायात (कम तथा लम्बी दूरी अर्थात दोनों प्रकार का यातायात) मोहन लाल गंज से काफी अधिक होता है।

Indian Technicians to lay Railway Lines in Foreign Countries

1799 SHRI MANORANJAN BHAKTA Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state

(a) whether a number of foreign countries have sought assistance of Indian technicians to lay railway lines there

(b) if so, details thereof and

(c) whether any agreements have been signed in this regard and the nature of expertise being provided by India?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN) (a) to (c) Over the years there has been a considerable demand abroad particularly in the developing countries of Middle East, West Asia and Africa, for railway consultancy services as well as for railway construction works Bilateral talks for mutual co-operation have been held from time to time with delegations of the countries concerned and possibilities of securing railway construction projects abroad continue to be explored India's participation in the development of railway systems abroad is being channelised through the Rail India Technical and Economic Services Ltd (RITES) and the Indian Railway Construction Company Ltd (IRCON) the two public sector undertakings set up under the aegis of the Ministry of Railways in 1974 and 1976 respectively RITES has carried out consultancy assignments for preliminary studies for new railway line in Syria Iran and Nigeria IRCON has submitted an offer to undertake construction of a new railway line in Iraq If any contracts are secured suitable agreements will be signed with the concerned countries

रतलाम स्थित डीजल शेड में चोरी

1800 डा० लक्ष्मीनारायण पाडेय क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या गत मार्च पश्चिम रेलवे में रतलाम स्थित डीजल शेड से बडी मात्रा में तेल की चोरी हुई थी

(ख) क्या गत दो वर्षों में इस शेड से चोरी के कुल कितने मामले हुए और

(ग) यदि हां तो ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्या कार्यवाही की गई है।

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण) :

(क) जी नहीं।

(ख) रतलाम डीजल शेड से 11-5-75 को स्नेहक तेल के 7 ड्रम तथा 26-6-77 को मोबिल तेल के 2 ड्रम चुराये गये थे। इन ड्रमों की कीमत 16 000 रु० थी।